PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

**Amar Ujala, Delhi**
**Tue, 06 Jun 2017, Page 13**
**Width: 17.78 cms, Height: 31.50 cms, a3, Ref: 24.2017-06-06.154**

# उड़ी जैसे हमले की साजिश जवानों को जलाना चाहते थे

**बृजेश कुमार सिंह**

जम्मू।

उत्तरी कश्मीर के बारामुला जिले के सुंबल स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में आतंकियों ने दोबारा उड़ी हमला दोहराने की साजिश रची थी। मौके से मिले ज्वलनशील पदार्थ और भारी मात्रा में गोला-बारूद इस ओर इशारा करते हैं कि फिदायीन जवानों को जलाकर कैंप में ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना चाहते थे। यदि आतंकी कैंप के भीतर घुस गए होते तो भारी तबाही मचा सकते थे।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि भारी हथियारों से लैस आतंकियों ने पहले कैंप में लगे कंटीले तारों को काटकर घुसने की कोशिश की। इसमें नाकाम रहने पर उन्होंने मुख्य गेट से घुसने का नाकाम प्रयास किया। उनके पास अत्याधुनिक हथियारों के साथ ही यूबीजीएल और भारी मात्रा में ग्रेनेड बरामद हुए हैं। चार बोतल ज्वलनशील पदार्थ भी मिले हैं। आतंकियों की साजिश कैंप में घुसकर बैरक में आग लगाने की थी, ताकि तड़के सो रहे सीआरपीएफ जवानों को अधिक से अधिक नुकसान पहुंचे। आतंकियों ने उड़ी में सेना के कैंप पर हमले में भी यही तरीका इस्तेमाल किया था, जिसमें 19 जवान शहीद हो गए थे। 11 सितंबर, 2015 को पुंछ में भी हुए आतंकी हमले में उनके पास ज्वलनशील पदार्थ बरामद हुए थे। इस बार भी आतंकी नए तरीके से हमला कर जवानों को जलाने की फिराक में थे, लेकिन उनका यह मंसूबा सेना ने नाकाम कर दिया।

आतंकियों ने नुकसान पहुंचाने की साजिश के तहत ज्वलनशील पदार्थ का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। आतंकियों के पास से बरामद ड्राई फ्रूट से यह कयास लगाए जा रहे हैं कि वे लंबी लड़ाई की तैयारी के साथ आए थे ताकि सुरक्षा बलों को अधिक समय तक उलझाए रखा जाए।

## सीआरपीएफ कैंप में ज्यादा से ज्यादा करना चाहते थे नुकसान

### सहरी के लिए उठे कमांडेंट की सतर्कता ने बचाईं जानें

**श्रीनगर।** कमांडेंट इकबाल अहमद सोमवार अल सुबह रोजे की सहरी के लिए उठे थे। इसी दौरान वायरलेस पर संदेश आया कि बांदीपोरा इलाके के सीआरपीएफ कैंप में फिदायीन हमला हुआ है। संदेश सुनते ही इकबाल ने सहरी छोड़ अपनी राइफल उठाई और घटनास्थल पर पहुंच गए। इससे कई की जान बच गई।